

मनमोहन कान्हा विनती करु दिन रैन

मनमोहन कान्हा विनती करु दिन रेन,
राह तके मेरे नैन अब तो दर्श बिना कुञ्ज बिहारी मनवा है बे चैन,
मनमोहन कान्हा विनती करु दिन रेन,

प्रेम की डोरी तुम संग जोड़ी हम से तो न ही जाए गी तोड़ी,
हे मुरली धर कृष्ण मुरारी तनिक ना आवे चैन,
राह तके मेरे नैन अब तो दर्श बिना कुञ्ज बिहारी मनवा है बे चैन,
मनमोहन कान्हा विनती करु दिन रेन,

जन्म जन्म से पंथ निहारु,
बोलो किस विध तुम को पुकारु,
हे नटनागर हे गिरघारी,काह ना पावे वैर
राह तके मेरे नैन अब तो दर्श बिना कुञ्ज बिहारी मनवा है बे चैन,
मनमोहन कान्हा विनती करु दिन रेन,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7550/title/manmohan-kanha-vinti-karu-din-rain->

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |